Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National Skill Development Corporation
Transforming the skill landscape

BFSI
BFSI Sector Skill Council of India

प्रतिभागी पुस्तिका

क्षेत्र
बैंकिंग वित्तीय सेवाएं और बीमा (बीएफएसआई)

उप–क्षेत्र
बैंकिंग (पूंजी बाजार)

व्यवसाय
वित्त संबंधित सेवाएं

सन्दर्भ आईडी– **BSC/Q0201, Version 1.0**
NSQF Level 4

इक्विटी डीलर

"कौशल से बेहतर भारत का निर्माण होता है।
यदि हमे भारत को विकास की ओर ले जाना है तो
कौशल का विकास हमारा मिशन होना चाहिए।"

श्री नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री भारत

Skill India

BFSI

N·S·D·C
National Skill Development Corporation
Transforming the skill landscape

Certificate

COMPLIANCE TO QUALIFICATION PACK – NATIONAL OCCUPATIONAL STANDARDS

is hereby issued by the

BFSI SECTOR SKILL COUNCIL OF INDIA

for the

SKILLING CONTENT : PARTICIPANT HANDBOOK

Complying to National Occupational Standards of
Job Role/ Qualification Pack: '**Equity Dealer**'
QP No. '**BSC/Q0201 NSQF Level 4**'

Date of Issuance: **May 16th, 2016**

Valid up to: **May 15th, 2018**

**Valid up to the next review date of the Qualification Pack or the 'valid up to' date mentioned above (whichever is earlier)*

Authorized Signatory
(BFSI Sector Skill Council of India)

विषय सूची

क्रमांक	अध्याय व इकाईयां	पृष्ठ
1.	**परिचालन के लिये तैयारी (BSC/ N 0201)**	1
	इकाई 1.1 भारतीय वित्तीय तंत्र	2
	इकाई 1.2 वित्तीय बाजार का परिचय	16
	इकाई 1.3 भारतीय प्रतिभूति बाजार का इतिहास	37
	इकाई 1.4 बाजार के तत्व और सहभागी	46
	इकाई 1.5 प्राथमिक और द्वितीयक बाजार	61
	इकाई 1.6 इन्डायसेस, बाजार पंजीकरण और केवायसी	84
	इकाई 1.7 द्वितीयक बाजार के परिचालन	97
2.	**संचालन कार्यान्वन (बीएससी /एन 0202)**	**115**
	इकाई 2.1 व्यापार की प्रक्रिया	116
	इकाई 2.2 दलाल और व्यापार की निगरानी	128
	इकाई 2.3 वित्तीय विश्लेषण के लिए गणितीय उपकरण	166
	इकाई 2.4 निपटने संचालन	187
	इकाई 2.5 सीएनएस, एमआईएस और सामान्य आदेशों का महत्व	193
3.	**नियोजनीयता एव उद्यमशीलता कौशल**	**201**
	इकाई 3.1 व्यक्तिगत क्षमताएं एवं मूल्य	202
	इकाई 3.2 डिजिटल साक्षरताः पुनरावृत्ति	218
	इकाई 3.3 धन संबंधी मामले	222
	इकाई 3.4 रोजगार व स्वरोजगार के लिए तैयारी करना	231
	इकाई 3.5 उद्यमशीलता को समझना	241
	इकाई 3.6 उद्यमी बनने की तैयारी करना	263

Skill India

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT

N·S·D·C
National Skill Development Corporation
Transforming the skill landscape

BFSI
BFSI Sector Skill Council of India

1. परिचालन के लिये तैयारी

इकाई 1.1 भारतीय वित्तीय तंत्र
इकाई 1.2 वित्तीय बाजार का परिचय
इकाई 1.3 भारतीय प्रतिभूति बाजार का इतिहास
इकाई 1.4 बाजार के तत्व और सहभागी
इकाई 1.5 प्राथमिक और द्वितीयक बाजार
इकाई 1.6 सूचकांक, बाजार पंजीकरण और केवायसी
इकाई 1.7 द्वितीयक बाजार के परिचालन

BSC/ N 0201

इकाई 1.1: भारतीय वित्तीय तंत्र

यूनिट के उद्देश्य

- भारतीय वित्तीय तंत्र को समझाना
- भारतीय वित्तीय तंत्र के घटकों को परिभाषित करना
- वित्तीय तंत्र के विविध आयामों को विविधता से परिभाषित करना
- वित्तीय तंत्र की भूमिका और कार्यों के बारे में बताना
- विविध वित्तीय तंत्रों में अंतर

1.1.1 वित्तीय तंत्र क्या है?

देश में वित्तीय तंत्र का अर्थ है "एक संस्थात्मक कार्य प्रकार जो वित्तीय सौदों को सही प्रकार से चलने में मदद करे।"

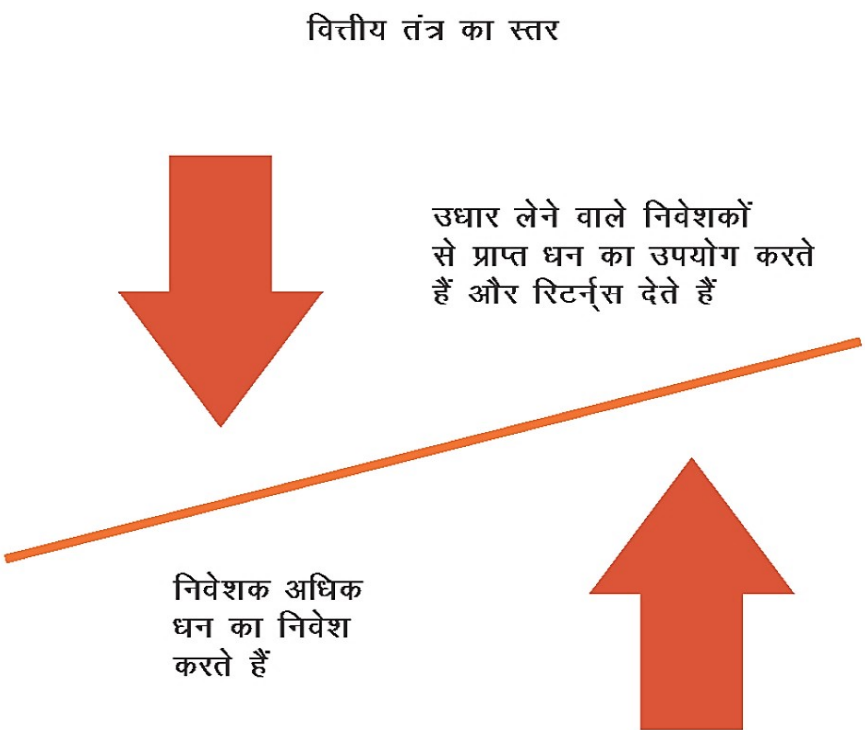

Figure 1.1.1

वित्तीय तंत्र किसी भी अर्थव्यवस्था मे प्रगति के अनुसार प्रमुख भूमिका निभाती है।
इसे प्राप्त किया जाता है वित्तीय ढ़ांचे से, इसमें अधिक निवेश (सरप्लस युनिट्स) उन्हे दिये जाते हैं जिनके पास निवेश के अधिक उत्पादक तरीके हैं और वे फन्ड इस्तेमाल किये जाते हैं जिन्हे बहुत अधिक उत्पादकता से इस्तेमाल नही किया जा रहा है (डेफिसिट युनिट)।
सरप्लस युनिट्स व्यक्तिगत, व्यावसायिक या सरकारी प्रकार के हो सकते हैं जिनके पास अधिक मात्रा में बिना खर्च किया हुआ धन कुछ समय के लिये होता है, साथ ही वे इस फन्ड का उपयोग करने में इच्छुक होते हैं।
दूसरी ओर डेफिसिट युनिट्स वे व्यक्ति, व्यवसाय या सरकार होते हैं जिनके पास उनकी आय से अधिक खर्च करने की योजनाएं होती है और वे धन को उधार लेने में रुचि रखते हैं।

वित्तीय ढ़ांचा सरप्लस युनिट्स और डेफिसिट युनिट्स से मिलकर बनता है।

अधिशेष इकाईः
आपूर्तिकर्ता के फण्ड़

डेफिसिट युनिटः
जरूरतमंद के फन्ड

Figure 1.1.2

सरप्लस युनिट्स व्यक्तिगत, व्यावसायिक या सरकारी प्रकार के हो सकते हैं जिनके पास अधिक मात्रा में बिना खर्च किया हुआ धन कुछ समय के लिये होता है, साथ ही वे इस फन्ड का उपयोग करने में इच्छुक होते हैं।
दूसरी ओर डेफिसिट युनिट्स वे व्यक्ति, व्यवसाय या सरकार होते हैं जिनके पास उनकी आय से अधिक खर्च करने की योजनाएं होती है और वे धन को उधार लेने में रुचि रखते हैं।

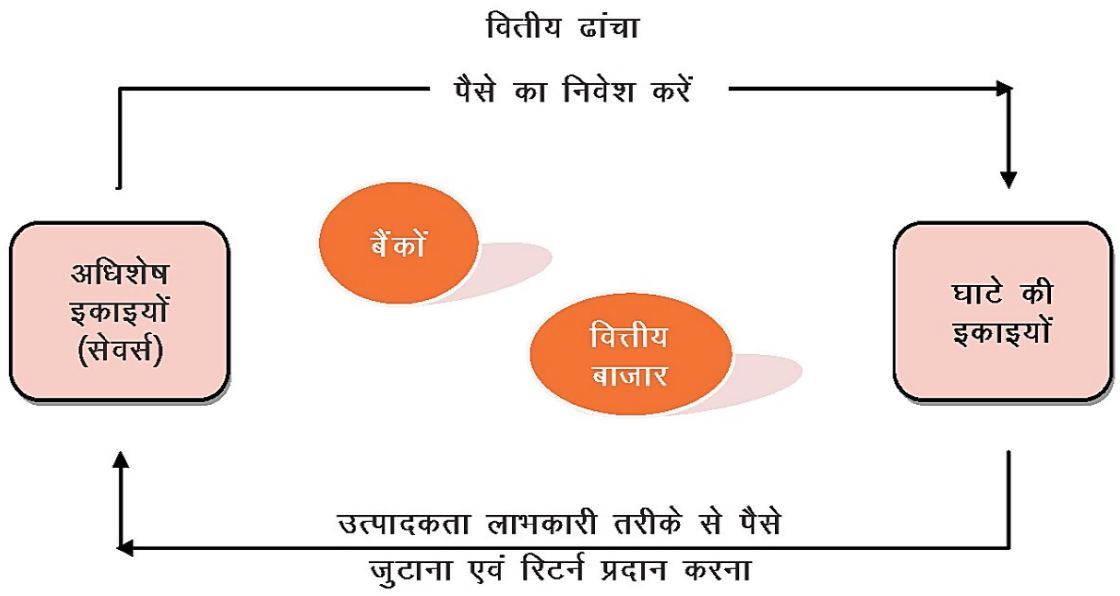

Figure 1.1.3

गतिविधि

विवेक बुद्धि का उपयोग :

यदि आपके पास बड़ी मात्रा में सरप्लस युनिट है, आप किस सामाजिक कार्य के लिये इस धन का उपयोग करेंगे? यहां पर सामाजिक कार्य अर्थात डेफिसिट युनिट है।

वित्तीय तंत्र की भूमिका और कार्य

- फन्ड्स तरलता प्रदान करना : वितीय तंत्र द्वारा संपूर्ण अर्थव्यवस्था को तरलता प्रदान की जाती है और इसके लिये फन्ड्स को एकत्र कर उन्हे उपयोगकर्ताओं को प्रदान करने की क्रिया की जाती है।
- बचत प्रसार : वित्तीय तंत्र द्वारा बचत को निवेश में बदला जाता है और अतिरिक्त धन को उसके धारकों से लेकर आवश्यकता संबंधी पक्षों तक पहुंचाया जाता है।
- धन प्रदान करना : वित्तीय तंत्र द्वारा सही प्रकल्पों का चुनाव किया जाता है जिससे धन को सही प्रदर्शन करने वाले स्थानों पर लगाया जा सके।
- वस्तु व सेवा के बदले भुगतान का तंत्र : इसे विविध प्रतिभूतियों के माध्यम से किया जाता है और इसमें इलेक्ट्रॉनिक भुगतान तंत्र का इस्तेमाल किया जाता है।
- जोखिम प्रबन्धन : यह तंत्र बचत को सही प्रकार से फन्ड्स के वितरण में लाकर प्रसार हेतु मदद करता है।
- जानकारी व विस्तार को जानना, सही करना और समय पर जानकारी देना : सही निर्णय लेने के लिये पारदर्शिता होना आवश्यक है और यह वित्तीय तंत्र द्वारा ही दी जाती है।
- किसी वित्तीय तंत्र की भूमिका किसी भी देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण होती है। अर्थव्यवस्था सही तरीके से चल सके, इस हेतु सही वित्तीय तंत्र होना आवश्यक है :

फन्ड्स तरलता प्रदान करना

इसका प्रमुख कार्य है फन्ड्स को धन के रुप में प्रयोजन में रखना और इन्हे अर्थव्यवस्था के लिये सही संपत्ति के रुप में रखना। वस्तुओं व सेवाओं के उत्पादन के लिये यह आवश्यक है। वित्तीय तंत्र द्वारा संपूर्ण अर्थव्यवस्था को तरलता प्रदान की जाती है जिससे वे अपने कार्य कर सके। जैसा कि पहले बताया गया है, इसे फन्ड्स को प्राप्त कर उपयोगकर्ताओं को देने की प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। उदाहरण के लिये बैंक, बीमा कंपनियां आदि द्वारा बडे उद्योगों को अपने विस्तार या ढांचागत विकास के लिये धन प्रदान किया जाता है। उसी प्रकार ब्रोकिंग संस्थान द्वारा कंपनियों के लिये नवीन प्रकार की मदद जारी की जाती है जिससे उन्हे सही प्रतिभूति जारी करने में मदद मिलती है।

बचत प्रसार

वित्तीय तंत्र द्वारा जो महत्वपूर्ण कार्य किया जाता है वह है बचत के प्रसार को छोटे बचतकर्ता व बड़े बचतकर्ताओं तक लाना। इस वित्तीय तंत्र द्वारा ही बचत को निवेश में बदला जाता है। यह तंत्र इस प्रकार से अधिक धन रखने वाले और अधिक धन चाहने वालों के बीच का अन्तर कम करता है। एक बार फिर, संस्थानों द्वारा अपने फन्ड्स को बैंक में रखा जाता है। वे बचत, निवेश आदि के द्वारा धन प्राप्त करते हैं और ग्राहकों द्वारा जमा किये गए धन द्वारा इसका पालन किया जाता है। इसके बाद इस धन को कर्ज के रुप में उत्पादन प्रयोजन, व्यक्तिगत स्वरुप और औद्योगिक स्वरुप में दिया जाता है।

फन्ड्स का निर्धारण

सही प्रकल्प चुनकर फन्ड्स को सही प्रकार से सही रकम हेतु निर्धारित करने में मदद करता है। यह इस प्रकार के प्रोजेक्ट्स के बारे में समय समय पर समीक्षा करता है जिससे यह पता लगाया जा सके कि इस फन्ड का उपयोग सही प्रयोजन से और सही तरीके से हो रहा है या नही।

उदाहरण के लिये, कोई कंपनी बैंक से संपर्क करती है और उसे एक ऋण चाहिये जो कि उसके प्लान्ट और नवीन मशीनरी के लिये है, तब बैंक द्धाता अपने तकनीकी जानकारों की मदद से उसके प्रस्ताव का आकलन किया जाएगा। वे धन तभी देंगे जब वे प्रकल्प के कार्य प्रकार और उत्पादन के साथ ही आगे आने वाले समय में लाभ की अपेक्षा को देखते हैं। यहां तक कि धन प्रदान कर देने के बाद भी बैंक द्वारा समय समय पर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि फन्ड का उपयोग सही व प्रस्तावित कारण से ही ग्राहक द्वारा किया जा रहा है।

वस्तु और सेवाओं के आदान प्रदान संबंधी भुगतान का प्रकार

इसे प्रदान करने के लिये विविध प्रतिभूतियों का उपयोग किया जाता है साथ ही इलेक्ट्रॉनिक भुगतान पद्धति का भी उपयोग किया जाता है। उदाहरण के लिये, यदि कंपनी मुंबई में स्थित है और वह कोच्चि में स्थित किसी कंपनी की सेवाएं लेती है, तब भुगतान सीधे इलेक्ट्रॉनिक स्थानांतरण के माध्यम से संभव है। इसके साथ ही यह स्रोतों को भी विविध स्थानों पर ले जाने में मदद करती है जैसे कंपनी मुंबई में है लेकिन उसे सेवा प्रदान करने वाली कंपनी कोच्चि में है।

जोखिम प्रबन्धन तंत्र

इसमें बचत का प्रसार किया जाता है व इस धन को वितरण के साथ ही सही तरीके से प्रसारित किया जाता है। जोखिम प्रबन्धन से यह सुनिश्चित होता है कि निवेशकों द्वारा जिस धन का निवेश किया गया है, वह सुरक्षित है। इसके साथ ही धन जो कि बैंक में रखा जाता है, वह भी सुरक्षित है। उपरोक्त उदाहरण जहां पर बैंक यह सुनिश्चित करती है कि कुशलतापूर्वक प्रभावी तरीके से हो। और यह जांच करती है कि जनता द्वारा निवेशित किया जाने वाला धन सुरक्षित रहे.

विस्तारित और सही जानकारी

निर्णय लेने हेतु पारदर्शिता एक आवश्यक तत्व है और इसी का उपयोग वित्तीय तंत्र द्वारा दी जाने वाली सुविधा के दौरान किया जाता है। नियामकों द्वारा नियमों को सख्त किया गया है जिसमें सभी वित्तीय पक्षों को, जो बाजार में कार्यरत है, सही पारदर्शिता रखना आवश्यक है। निवेशकों का खासकर छोटे निवेशकों का ज्यादा ध्यान रखा जाता है।

गतिविधि

प्रतिभागियों को दो टीमों में बांटें – ए और बी

टीम ए में कृत्रिम धन रहेगा

टीम बी को उत्पाद निर्मित करना है और उसे पूंजी की आवश्यकता है।

चर्चा करें कि कैसे टीम ए द्वारा टीम बी को अपना लक्ष्य पूरा करने और सरप्लस व डेफिसिट युनिट्स के द्वारा व इस इकाई की शब्दावली द्वारा मदद की जाती है।

वित्तीय तंत्र के घटक

घटक

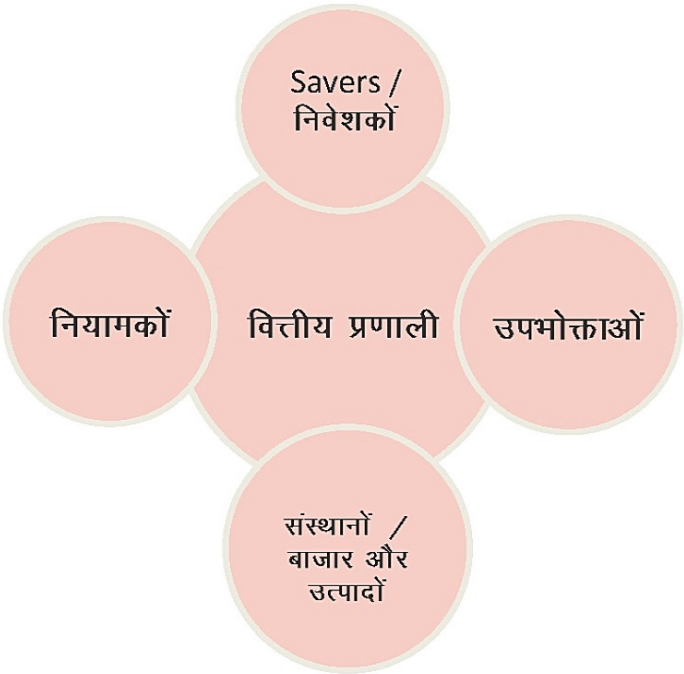

Figure 1.1.4

बचतकर्ता / निवेशक वे इकाई होते हैं जिनके पास अतिरिक्त धन होता है और वे उसे उत्पादक प्रयोजनों से लगा सकते है। ।

अनुक्रम

Figure 1.1.5

निवेशक का प्रकार	एक एकल सौदे मे निवेशित न्यूनतम धनराशि
रिटेल	रू. 2 लाख से कम
हाई नेटवर्थ इन्वेस्टर (एचएनआई)	रू. 2 लाख या अधिक
संस्थागत निवेशक	बाजार प्रचालन के लिए प्रमुख कोष

- ग्राहक ही वे व्यक्ति होते हैं जिन्हे धन की आवश्यकता उत्पादक प्रयोजनों हेतु होती है जिसमें नवीन व्यवसाय, क्षमता का विस्तार, शाखाओं को बढ़ाना, गुणवत्ता विकास, अपनी सुविधाओं को बढ़ाना और मानव संसाधन बढ़ाना शामिल है।
- वित्तीय उत्पाद वे उपयोगी प्रकार होते हैं जो इस फन्ड के आदान प्रदान को निवेशकों से ग्राहकों तक पहुंचाते हैं।
- नियामक वे होते हैं जो सही प्रकार से तंत्र को जारी रखते हैं और इसमें सहभागियों की क्षमता का सही प्रकार से आकलन करते हैं। ये नियामक अन्तिम रुप से आधिकारिक नियमों के प्रणेता होते हैं यथा वैधानिक औपचारिकता, नियम व प्रावधान बनाने वाले आदि। उदाहरण के लिये किसी स्टॉक ब्रोकिंग फर्म को बैंक से ऋण मिल सकता है जिसके कारण के रुप में कंप्यूटर टर्मिनल्स को बढ़ाने का काम शामिल है।
- वित्तीय संस्थान या बाजार वे तत्व हैं जो धन के प्रवास को निवेशकों से ग्राहकों तक ले जाते हैं। वे अर्थव्यवस्था में बचत को ग्राहकों तक ले जाने का काम करते हैं।
- इनमें शामिल है बैंक, वित्तीय बाजार संबंधी मध्यस्थी, म्युच्युअल फन्ड, बीमा कंपनियां, पेन्शन फन्ड आदि।
- वित्तीय उत्पाद वे उपयोगी प्रकार होते हैं जो इस फन्ड के आदान प्रदान को निवेशकों से ग्राहकों तक पहुंचाते हैं। विविध प्रकार के वित्तीय उत्पाद बाजार में वर्तमान में उपलब्ध होते हैं। इनमें शामिल है विविध प्रकार जैसे ऋण, स्टॉक, बॉन्ड, मुद्रा, कमोडिटीज, म्युच्युअल फन्ड स्कीम, पेन्शन प्लान, बीमा योजनाएं आदि। प्रत्येक उत्पाद को लेकर विविधताएं होती हैं। वर्तमान निवेशक को सही प्रकार से विकल्प की अपेक्षा होती है और विविध प्रकार के विकल्पों से इसमें स्पर्धा भी बढ़ती है।
- नियामक वे होते हैं जो सही प्रकार से तंत्र को जारी रखते हैं और इसमें सहभागियों की क्षमता का सही प्रकार से आकलन करते हैं। ये नियामक अन्तिम रुप से आधिकारिक नियमों के प्रणेता होते हैं यथा वैधानिक औपचारिकता, नियम व प्रावधान बनाने वाले आदि नियामकों का यह कर्तव्य होता है कि वे वित्तीय उत्पादों को लेकर बाजार में प्रचार को सही प्रकार से सुनिश्चित करें। कुछ विशेष नियामकों के रुप में मौजूद है आरबीआई, सेबी, आईआरडीए, एफएमसी आदि नियामक तंत्र हैं जो विविध संस्थाओं का नियमन करते हैं जैसे बैंक, वित्तीय बाजार, बीमा कंपनियां, कमोडिटी व्यवसाय आदि।

भारत में वित्तीय नियामक

Figure 1.1.6

वित्तीय बाजारों की विशेषताएं

वित्तीय बाजारों द्वारा बड़े सौदों को सक्षम बनाया जाता है और लघु तथा दीर्घ अवधि के वित्तीय प्रसार व प्रवास के स्रोत को सही स्थिति में रखा जाता है और इसके लिये स्टॉक, बॉन्ड और धन में निवेश किया जाता है।

वित्तीय बाजारों द्वारा विविध बाजारों में आदान प्रदान की स्थिति उत्पन्न की जाती है। इसका अर्थ है कि निवेशक विविध प्रकार के बाजारों में विविध मूल्यों और विविधता के जोखिम का लाभ ले सकते हैं।

वित्तीय बाजारों को उनकी अस्थिरता के आधार पर विविध बड़े आकार की प्रतिभूतियों के अनुसार विभाजित किया जाता है। मुख्य रुप से इन बाजारों को सूक्ष्म अर्थशास्त्रीय बिन्दु व भारत तथा विश्व की राजनीति में हो रहे बदलावों से प्रभावित होता देखा जाता है।

बाजारों पर वित्तीय मध्यस्थी अपना प्रभाव डालते हैं जो कि स्वयं वित्तीय निर्णय लेते हैं और निवेशकों की ओर से जोखिम को भी वहन करते हैं।

वित्तीय बाजारों को बाहरी स्थिति के आधार पर भी विभाजित किया जा सकता है। बाहरी स्थिति का अर्थ है वह लागत या लाभ जिसे कीमत द्वारा नही दिया जाता परंतु यह हितग्राही के वित्तीय बाजार असफल होने की स्थिति में लिये जाने वाले निर्णयों पर निर्भर करती है। उदाहरण के लिये स्टॉक बाजार में कीमतों का उतार चढ़ाव वित्तीय बाजार को प्रभावित करता है।

स्थानीय वित्तीय बाजार वैश्विक वित्तीय बाजार के साथ एकीकृत हो चुके हैं और इससे पूंजी का प्रसार वैश्विक स्तर पर होता है, साथ ही वैश्विक जोखिम में भी प्रसार होता है।

1.1.3 वित्तीय तंत्र के प्रकार

वित्तीय तंत्र के प्रकार

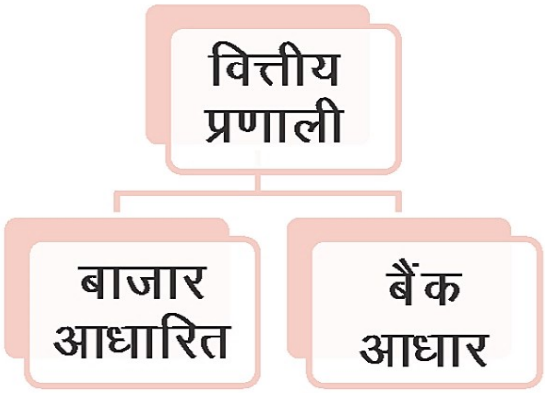

Figure 1.1.7

बैंक आधारित तंत्र	बाजार आधारित तंत्र
• बैंक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं • प्रथम बचत का बिन्दु बैंक ही होते हैं • वे फन्ड के एकत्रीकरण और वितरण संबंधी प्रमुख केन्द्र के रुप में काम करते हैं। • घरेलू संपत्तियां मुख्य रुप से बैंकों में जमा होती हैं, बैंकों को बडी मात्रा में वित्त की व्यवस्था करना संभव होता है। • बैंकों द्वारा बड़ी कंपनियों के कार्यों पर पूरा ध्यान दिया जाता है, वे उन्हे ऋण देने और उनके अंशधारण करने का काम करती हैं।	• शुद्ध बाजार आधारित तंत्र में बाजार द्वारा बैंकों से अधिक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया जाता है। • वे फन्ड को प्रसारित करने में व वितरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं • बाजार के तत्व काफी उन्नत होते हैं शुद्ध तत्व जैसे ऋण, इक्विटी आदि के अलावा अनेक वित्तीय प्रकार काफी जटिल होते हैं और उतने ही महत्वपूर्ण भी • बाजार आधारित वित्तीय तंत्र के उदाहरण है इंग्लैन्ड और यूएसए।

अभ्यास

भारतीय वित्तीय तंत्र के प्रमुख तीन प्रकारों के नाम बताएं।

_____

_____

भारतीय वित्तीय तंत्र की दो प्रमुख भूमिकाओं के बारे में बताएं।

_____

_____

वित्तीय तत्वों के कोई भी तीन प्रकार बताएं।

_____

_____

वित्तीय तंत्र के प्रकार

वित्तीय संस्थान (बैंक, म्युच्युअल फन्ड्स, बीमा कंपनियां आदि)

वित्तीय संस्थान स्रोतों को सही प्रकार से वितरित करने और उन्हे स्रोतों से प्रमुख उधारकर्ताओं तक पहुंचाने में मदद करते हैं।

- वे दीर्घकालीन फन्ड के प्रमुख स्रोत होते हैं और अर्थव्यवस्था को विविध वित्तीय उत्पाद और सेवाएं देकर वाणिज्यिक क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।
- वे नवीन संस्थान, छोटे और मध्यम फर्म्स को सहायता प्रदान करते हैं और उन उद्योगों को भी जो पिछडे क्षेत्र से होते हैं।
- उनके द्वारा स्थानीय व क्षेत्रीय विकास किया गया है और औद्योगिक विकास का भी प्रसार किया गया है।

भारत के कुछ प्रमुख वित्तीय संस्थान

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

BAJAJ | Allianz

ICICI PRUDENTIAL
LIFE INSURANCE

SBI Life
INSURANCE
With Us, You're Sure

RELIANCE
Life Insurance

प्राथमिक वित्तीय बाजार

वित्तीय बाजार

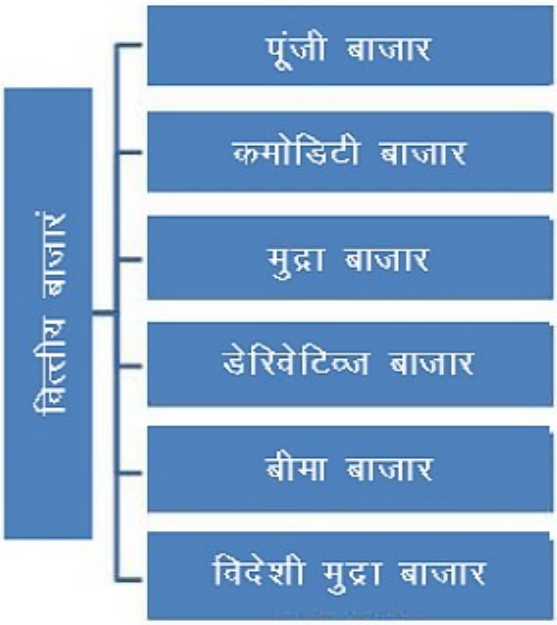

Figure 1.1.10

(b) वित्तीय बाजार (मनी मार्केट, डेट मार्केट, कैपिटल मार्केट, फॉरेक्स मार्केट, डेरिवियेटिव्ज मार्केट, कमोडिटी मार्केट)

एक वित्तीय बाजार अर्थात एक बड़ी परिकल्पना है जिसमें किसी भी बाजार में खरीददार और विक्रयकर्ता भाग लेकर कुछ संपत्तियां जैसे इक्विटीज, बॉन्ड्स, कमोडिटीज आदि के साथ मुद्रा और डेरिवियेट्व्ज का आदान प्रदान होता है।

वित्तीय बाजार की विशेषताएं :	कुछ वित्तीय बाजार केवल विशेष मापदन्ड को पूरा करने वाले प्रतिभागियों को ही प्रवेश देते हैं जैसे:
• बाजार के तत्वों द्वारा प्रतिभूतियों का मूल्य तय किया जाता है • ट्रेडिंग संबंधी नियम • लागत और शुल्क • पारदर्शी मूल्य सूची • वित्तीय बाजार काफी बड़ा या काफी छोटा हो सकता है।	• कितनी रकम रखी है • निवेशक की भौगोलिक स्थिति • बाजार या प्रतिभागी के व्यवसाय के बारे में जानकारी

(c) वित्तीय उत्पाद (ऋण, जमा, बॉन्ड्स, इक्विटी और वित्तीय डेरिवियेटिव्ज आदि)

वित्तीय उत्पाद वे तत्व होते हैं जिन्हे निवेशकों द्वारा निवेशित किया जाता है और डेफिसिट युनिट्स द्वारा उनका उपयोग फन्ड्स के रुप में किया जा सकता है।

ये सरल तरीके होते हैं जिनकी मदद से सरप्लस युनिट्स द्वारा धन को डेफिसिट युनिट्स में भेज जाता है और डेफिसिट युनिट सरप्लस युनिट्स के रुप में उनके निवेश पर प्राप्तियां कर सकते हैं।

वित्तीय उत्पाद

Figure 1.1.11

स्त्रोत

http://www.indianmba-com/Faculty_Column/FC177/fc177.html

http://www.sebi.gov.in/HomePage.jsp

चित्र 1-1-2 (स्त्रोत : http://knowledgebank.kaplan.co.uk)

चित्र 1-1-9 (स्त्रोत: paisamatters.com)

चित्र 1-1-10 (स्त्रोत : crackmba.com)

चित्र 1-1-11 (स्त्रोत : thehindubusinessline.com)

गतिविधि

भारत में वित्तीय नियामकों के बारे में नवीनतम खबरों को पढ़ें और इस संबंध में तीन शीर्षक बताएं।

पांच देशों के नाम खोजिये जहां पर वर्तमान वित्तीय तंत्र में बाजार आधारित अर्थव्यवस्था है।

नोट

इकाई 1.2 : वित्तीय बाजारों का परिचय

इकाई के उद्देश्य

वित्तीय बाजारों के अर्थ को बताना

विविध प्रकार के बाजारों की सूची बनाना

मनी मार्केट और कैपिटल मार्केट के मध्य अंतर बताना

मुद्रा की परिभाषा, कमोडिटी और फॉरेक्स मार्केट का अर्थ

वित्तीय बाजार की विशेषताओं को बताना

वित्तीय बाजार के कार्यों को बताएं

1.2.1 वित्तीय बाजार में फन्ड्स का प्रवाह

फन्ड्स के प्रवाह से अर्थ है वे खाते जिनका उपयोग धन के प्रवाह को अर्थव्यवस्था के विविध क्षेत्रों में भेजा जाता है। इसमें आर्थिक आंकडों का आकलन करते हुए उधार लेने, निवेश और घर, व्यवसाय के साथ सरकारी सन्दर्भ लिये जाते हैं।

इन खातों पर रिजर्व बैंक ऑफ इन्डिया का नियंत्रण होता है।

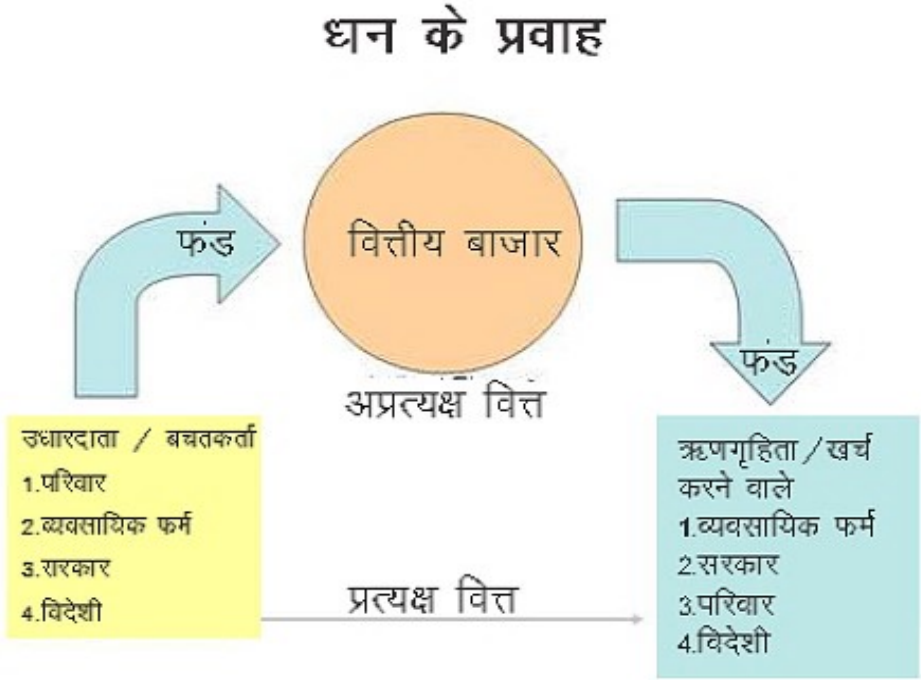

Figure 1.2.1

व्यवसाय अवधि

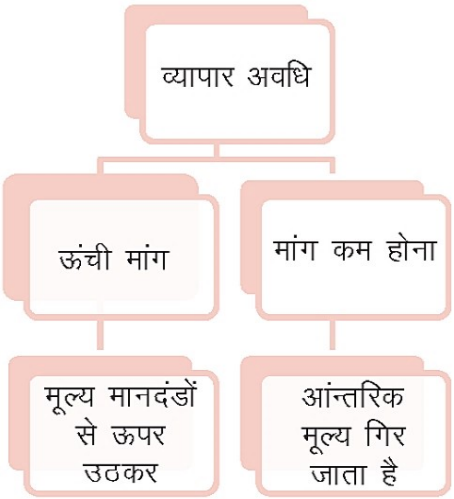

Figure 1.2.2

जानकरी को लेकर पारदर्शिता महत्वपूर्ण होती है जिससे प्रतिभागियों को सक्षम वित्तीय बाजार प्रदान करने के लिये विश्वास में लिया जा सके।

वित्तीय बाजार की विशेषताएं

- सरप्लस युनिट्स से डेफिसिट युनिट्स में पर्याप्त स्रोतों का स्थानांतरण।
- बचत को निवेश में बदलने में सहायता करना
- वित्तीय तत्वों के साथ, कमोडिटीज के साथ मूल्य और मांग तथा आपूर्ति संबंधी प्रक्रिया पर नियंत्रण रखता है।

बाजार और वित्तीय बाजार के मध्य अंतर

अन्तर

Figure 1.2.3

वित्तीय बाजार मुख्य रुप से 4 प्रमुख तत्वों पर टिके हैं

वित्तीय बाजार के प्रमुख तत्व

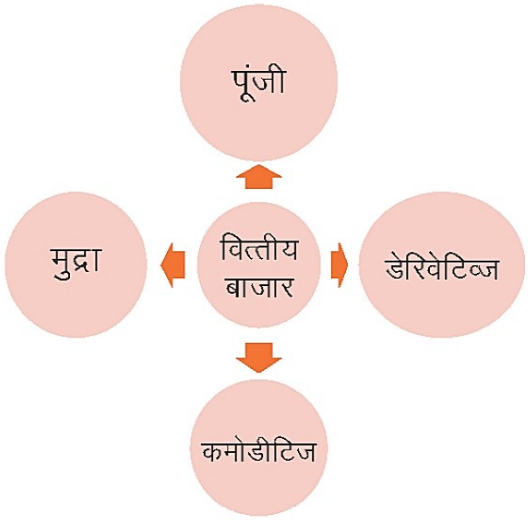

Figure 1.2.4

अभ्यास

रिक्त स्थान भरो

वित्तीय बाजार द्वारा सक्षम सुविधा दी जाती है जो कि (1) ..... सरप्लस से स्रोत की ओर होती है युनिट्स से (2) ..... युनिट्स तक

1.2.2 बाजारों के प्रकार

वैश्विक बाजारों का विभाजन

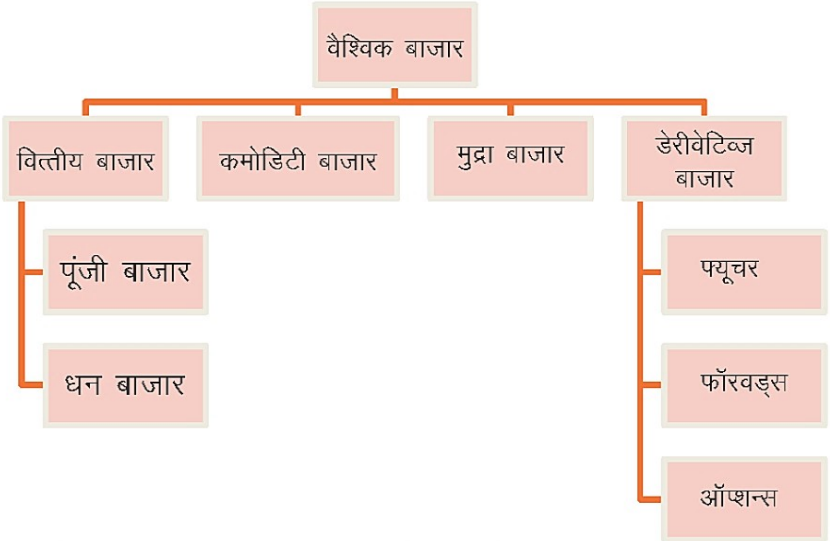

Figure 1.2.5

भारत उन प्रमुख देशों में है जहां पर पहली बार कमोडिटी ट्रेडिंग का प्रारंभ हुआ लेकिन इसकी प्रक्रिया पर विदेशी शासकों द्वारा अनेक सदियों तक प्रभाव डाला गया।

बाजार का नियमन कौन करता है?

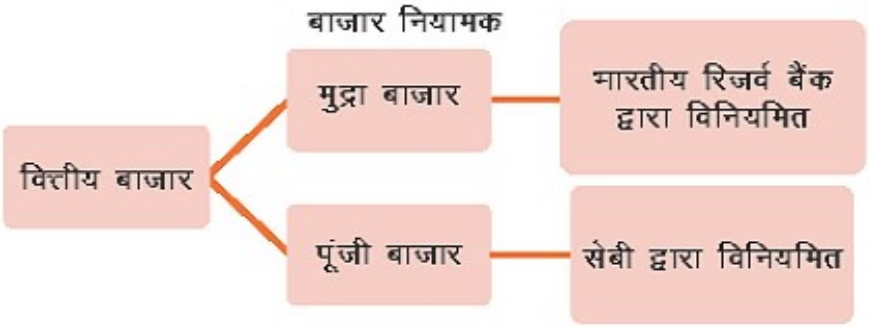

Figure 1.2.6

1.2.3 मनी मार्केट

मनी मार्केट का प्रमुख लक्ष्य अर्थव्यवस्था में तरलता लाना होता है।

Figure 1.2.7

यह अल्पावधि फन्ड्स का बाजार होता है जिसमें परिपक्वता एक रात से लेकर एक वर्ष तक होती है।

- इसमें वित्तीय तत्व भी शामिल होते हैं जो धन पर नियंत्रण करते हैं।
- अर्थव्यवस्था में कुल तरलता की स्थिति के संकेतक होते हैं।
- मुद्रास्फीति पर नियंत्रण करने के लिये प्रमुख भूमिका निभाई जाती है
- रिजर्व बैंक ऑफ इन्डिया द्वारा नियमित और नियंत्रित की जाती है।
- उच्च तरलता के तत्व और काफी कम समय की परिपक्वता होती है।
- इसे अधिक तरल स्वभाव के कारण प्रतिभूति व कम समय की परिपक्वता के कारण नकदी बाजार भी कहा जाता है।

उप बाजार

मनी मार्केट भारत में इस प्रकार से होते हैं :

कॉल मनी बाजार	• रात भर उधार / ऋण देने के लिए बाजार
सूचना बाजार	• उधार लेने के लिए बाजार एक 2 दिन या अधिक उधार या ऋण देने के लिए बाजार
टर्म मुद्रा बाजार	• उधार लेने या धन का ऋण देने के 14 दिन से अधिक की अवधि के लिए या ऋण देने के लिए बाजार

Figure 1.2.8

मनी मार्केट के तत्व

घटक

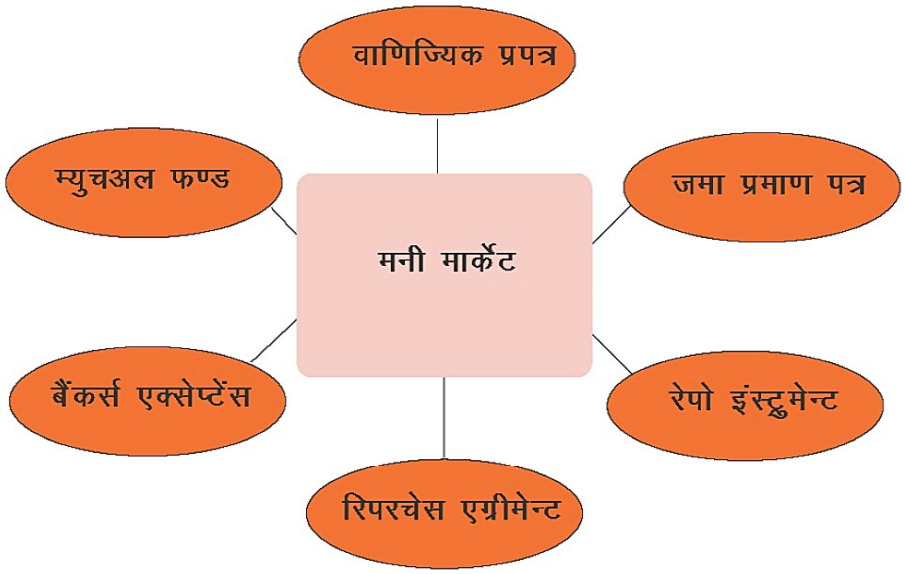

Figure 1.2.9

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

BFSI
BFSI Sector Skill Council of India

पताः पी जे टावर्स, 25वीं मंजिल, दलाल स्ट्रीट
मुंबई – 400 001 (भारत)
ईमेलः operations@bfsissc.com
वेबः www.bfsissc.com
फोनः 022 - 22728748 / 22728866 / 22728965

ISBN 978-93-87984-21-9
9 789387 984219

Price: ₹ 150

This book is provided free to students under the PMKVY (Pradhan Mantri Kaushal Vikas Yojana)